आनन्दं ब्रह्म

श्री स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-2024

|| श्री गङ्गेश्वराय नमः ||

|| सेतूँस्तरदुस्तरान् ||

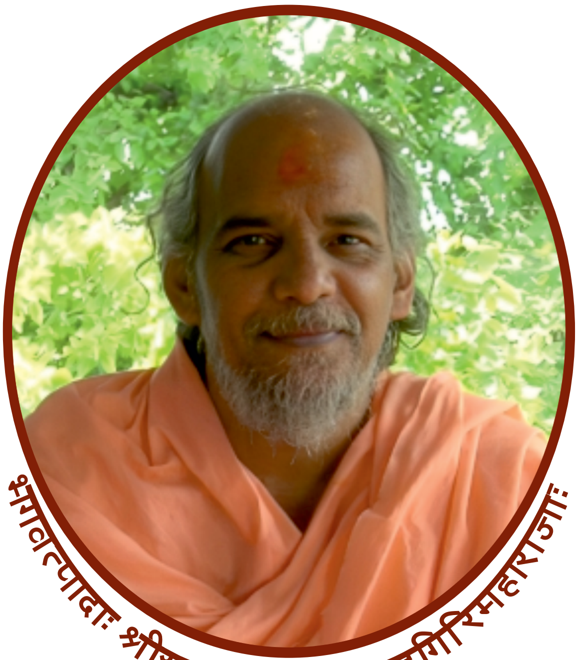

भगवत्पादाः श्रीस्वामिशारदानन्दगिरिमहाराजाः

वार्षिक प्रतिवेदन - 2023-24

आनन्दं ब्रह्म

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

श्री परमानन्द आश्रम, झूसी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) २११०१९

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

संस्थापक - श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज

(श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित)

पोस्ट-झूसी, प्रयागराज (उ.प्र.), पिन- 211019

दूरभाष नं०- 0532-2569205, ईमेल- ssngvv@gmail.com

सोसायटी रजिस्ट्रेशन नं.-173/2004-05 दर्पण पोर्टल रजिस्ट्रेशन नं.-UP/2018/0187820

(महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुदानित)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.आ. जवासिया, उज्जैन: 456006 (म.प्र.)

प्रतिष्ठान दूरभाष: 0734-2502266/2502255 ईमेल- msrvpujn@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023–2024

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मलीन **श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज** द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक–07.07.1999 को की गयी थी। विद्यालय को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) से दिनांक–01.04.2001 से ''**वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना**'' के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। प्रतिष्ठान द्वारा वेद के प्रचार–प्रसार एवं इसके संरक्षण, संवर्धन के लक्ष्यों, उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल करते हुए विद्यालय द्वारा उत्तरोत्तर प्रगति की गयी। तीन वर्षों के बाद संस्था का सम्यक् आकलन कर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा वर्ष 2004–2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

(क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्गमय का अध्यापन।

(ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।

(ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।

(घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।

(ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्म दर्शन का प्रचार–प्रसार।

(च) वेद–छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।

(छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा
कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।

(ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान, वैदिक गणित, वैदिक साहित्य का इतिहास, भारतीय ज्ञान–विज्ञान परम्परा इत्यादि विषयों का ज्ञान कराना।

(झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रुप से व्यवस्था की गयी।

(ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान करना।

(ट) वैदिक सनातन जीवनदृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न–भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित करना।

उपर्युक्त उद्‌देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के सहयोग से लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। आलोच्य वर्ष के दौरान वेद पाठशाला में अग्रलिखित गतिविधियां संचालित की गयीं।

01. **वार्षिक परीक्षा (दिनांक 24 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2023)** – महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संस्था को तृतीय एवं पंचम वर्ष के बोर्ड की वार्षिक परीक्षा का आयोजन 24 अप्रैल से 27 अप्रैल 2023 तक कराने का निर्देश दिया गया। प्रतिष्ठान द्वारा यहां केन्द्र स्थापित कर गुरु–शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के वेद छात्रों के बोर्ड की वार्षिक परीक्षा को म. सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक श्री गंगाधर पंडा जी एवं निरीक्षक श्री आनन्द जोशी जी के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। परीक्षा में 189 छात्रों ने प्रतिभाग किया। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी वेद पाठशाला ने प्रतिष्ठान द्वारा सौंपे गये दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। प्रतिष्ठान से प्राप्त दिशा–निर्देशों पर बिना किसी बाधा के सुचारु एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा सम्पन्न करायी गयी। प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों के सहयोग और केन्द्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पाण्डेय के अथक परिश्रम से क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों की परीक्षा का कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया। परीक्षा में उपस्थित प्रेक्षक, परीक्षकों एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा

के दौरान दोनों पालियों में समयानुसार चाय–नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

02. **नवीन प्रवेशित छात्रों का उपनयन संस्कार**–(दिनांक 07.05.2023 दिन रविवार) वेद विद्यालय में नवीन प्रवेशित 08 छात्र (06 छात्र शुक्लयजुर्वेद मा. शाखा, 02 छात्र अथर्ववेद शौनक शाखा) का उपनयन संस्कार वैदिक एवं पारम्परिक रीति–रिवाज से श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न कराया गया। जिसमें छात्रों के परिवारजन भी सम्मिलित हुए।

03. **योग दिवस**–(दिनांक 21.06.2023 दिन बुधवार) योग दिवस के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के सभी अध्यापको एवं छात्रों द्वारा योगाभ्यास किया गया और दिवस मनाया गया। योग मानसिक तनाव दूर करने के साथ ही बीमारी से मुकाबला करने व शरीर को स्वस्थ रखने में काफी मददगार होता है। योग विषय के बारे में छात्रों को विस्तार से बताते हुए प्रधानाचार्य ब्रजमोहन पाण्डेय ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है ''योगः कर्मसु कौशलम्'' अर्थात् कर्म करने की किसी विशेष प्रकार की कुशलता, युक्ति, चतुराई अथवा शैली को योग कहते हैं।

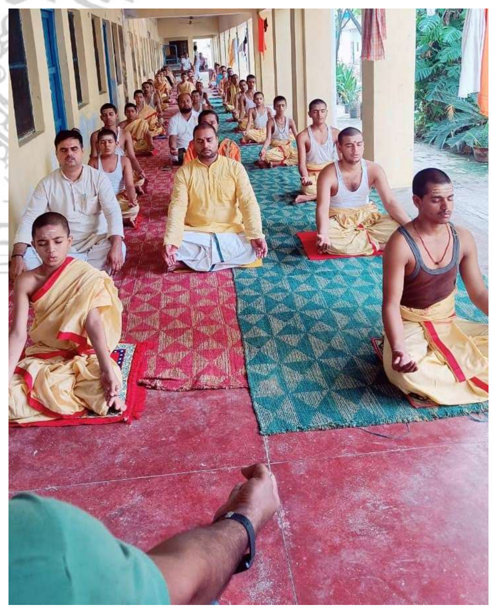

योग प्राचीन काल से ही मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है और आज भी योग को दुनिया के हर देश में अपनाया जा रहा है। योग हर उम्र के हर व्यक्ति के लिए प्रासंगिक और उपयोगी है। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य ठीक रहता है, बल्कि कई बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है। योग से शक्ति, क्षमता और शरीर का लचीलापन बढ़ता है और इससे हमारा पूरा शरीर ठीक प्रकार से काम करता है। शरीर में व्याप्त विषैले तत्त्व बाहर निकलते हैं। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ, मजबूत, आकर्षक और सुडौल बनता

है। शरीर स्वस्थ रहने से मन और मस्तिष्क भी ऊर्जावान बनते हैं। दोनों के सेहतमंद रहने से ही आत्मिक सुख मिलता है। स्वास्थ्य के तालमेल से ही जीवन में खुशी और सफलता मिलती है।

04. **गुरु पूर्णिमा–** (दिनांक 03.07.2023 दिन सोमवार) आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु–सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञानवर्धन करते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इस दिन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय का वार्षिक स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष की भॉति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्य गति प्रदान करने के लिये गुरुपूर्णिमाके दिन गुरु का पूजन वैदिक रिति से किया गया।

05. **पुनः परीक्षा** (दिनांक 05, 06 एवं 07 जुलाई 2023) लिखित एवं मौखिक परीक्षा केन्द्र श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूंसी, प्रयागराज में वेद पाठशालाओं और गुरु शिष्य परम्परा योजना के वेद छात्रों की वर्ष 2022–23 की पुनः परीक्षा का केन्द्र दिनांक 05, 06 एवं 07 जुलाई 2023 को कई क्षेत्रों के वेद पाठशालाओं और गुरु शिष्य परम्परा योजना के वेद छात्रों की परीक्षा सम्पन्न हुईं।

06. **ओम चेरिटेबल ट्रस्ट 15वां राष्ट्रीय वैदिक प्रतियोगिता** (दिनांक 19 से 23 जुलाई 2023)

15वां राष्ट्रीय वैदिक प्रतियोगिता ओम चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा चेन्नई में आयोजित की गई। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से वैदिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विद्यालय के 10 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में 4 छात्र उत्तीर्ण हुए। ओम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छात्र (आदर्श तिवारी, सफल तिवारी, दिव्यांशु शुक्ल–सामवेद एवं प्रांजल शुक्ल–शुक्लयजुर्वेद) को पुरस्कृत किया गया।

07. **स्वतन्त्रता दिवस** (दिनांक 15.08.2023 दिन मंगलवार) प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, प्रयागराज के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के प्रबन्धक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें श्री रामबदन द्विवेदी, प्रधानाचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय, समस्त अध्यापकगण, छात्रगण एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के उपरान्त छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं छात्रों द्वारा राष्ट्रीय सूक्तों का पाठ प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हमारे महान् स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिये गये त्याग, बलिदान का उल्लेख किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किये।

08. **श्रावणी उपाकर्म एवं संस्कृत दिवस–** (दिनांक 28.08.2023 दिन सोमवार) के अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा झूंसी स्थित पतित पावनी मां गंगा के किनारे श्रावणी उपाकर्म किया गया। उसके बाद विद्यालय प्रांगण में स्थित देवालय में सप्तऋषि पूजन किया गया। तदोपरान्त सभी अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा अपने पुराने यज्ञोपवीत को बदलकर नवीन यज्ञोपवीत धारण किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्रों को संस्कृत दिवस के बारे में संस्कृत की महत्ता बतायी गयी। उन्होंने कहा कि श्रावणी पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के भी रूप में मनाया जाता है। सनातन परम्परा के अनुसार श्रावणी पूर्णिमा अर्थात रक्षाबन्धन ऋषियों के स्मरण तथा पूजा और समपर्ण का पर्व माना जाता है। वैदिक साहित्य में इसे श्रावणी के रूप में जाना जाता है। ऋषि ही संस्कृत साहित्य के

आदि स्रोत हैं इसलिए श्रावणी पूर्णिमा को ऋषि पर्व और संस्कृत दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है। इस अवसर पर राज्य तथा जिला स्तर पर संस्कृत दिवस का आयोजन होता है।

09. **म.सा.रा.वे. विद्या प्रतिष्ठान स्थापना दिवस** – (28, 29, 30 अगस्त) महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में चतुर्वेद प्रतियोगिता (अंताक्षरी, शलाका, प्रश्नोत्तरी) का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 10 छात्रों ने प्रतिभाग किया। सामवेद कौथुम शाखा शलाका प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र आदर्श तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

10. आज के आधुनिक दौर में कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित) का ज्ञान होना न केवल विकास एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है बल्कि विपरीत परिस्थितियों में यह काफी सहायक सिद्ध होता है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम को विद्यालय अपने निजी साधनों से और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है। वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों को कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia, कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त हो सके। साथ ही जरुरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से विशेष योजना स्वीकृत कराकर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराए।

11. **पुण्यतिथि–** (दिनांक 04.09.2023 दिन सोमवार) भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्यब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्यतिथि के अवसर पर वेद ऋचाओं का सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ किया गया। संस्था के उपाध्यक्ष श्री स्वामी शरदपुरी जी महाराज ने सभी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की और वेदाध्ययन में सन्नद्ध छात्रों को परिश्रम के साथ जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

12. **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी–** (दिनांक 06.09.2023 दिन बुधवार) विद्यालय परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि कंस के अत्याचारों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने मथुरा में अवतार लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और ''**मधुराष्टकम्**, ''**गोविन्दाष्टकम्** ''**गोपी गीत**'' तथा भगवत् स्तुति का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में भगवान शंकर–पार्वती, राधा–कृष्ण, हनुमान जी एवं सुदामा–कृष्ण की भव्य झांकियों एवं उनके नृत्य से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में समस्त अध्यापकों को स्मृति–चिन्ह एवं शाल भेंट कर उनका सम्मान किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भजन–कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। वेदच्छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के संदेशों, शिक्षाओं के बारें में विस्तार से बताया गया।

13. **गृहे–गृहे संस्कृतम् सरलसंस्कृतसम्भाषण शिविरम्–** श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम झूंसी, प्रयागराज (उ.प्र.) में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम् लखनऊ द्वारा '**गृहे गृहे संस्कृतम् योजना**' के

अन्तर्गत दिनांक 11.09.2023 से 21.09.2023 तक दस दिवसीय संस्कृत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें **प्रशिक्षिका रमा न्यौपाने** द्वारा वेद विद्यालय के वैदिक छात्रों को संस्कृत संभाषण सिखाया। वेद विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय द्वारा छात्रों

को इस संस्कृत शिविर से होने वाले संस्कृत शिक्षा के जनभागीदारी अहम है। संस्कृत हमारी अमूर्त विरासत है। इससे हम भारत की आत्मा को समझ सकते हैं। सदियों से संस्कृत भाषा हमारे ज्ञान और साहित्यिक परम्पराओं का स्रोत रहा है। यूनेस्को ने संस्कृत में वेद पाठ को एक अमूर्त विरासत के रूप में मान्यता दी है। इसीलिए इसे समस्त भाषाओं की जननी कहा गया है। संस्कृत को देवभाषा के रूप में जाना जाता है। हमारे अधिकांश ग्रन्थ संस्कृत भाषा में ही लिखे गये हैं। संस्कृत का उपयोग केवल आध्यात्मिक और दार्शनिक विषयों एवं पुराणों, महाकाव्यों जैसे धार्मिक ग्रन्थ तक ही सीमित नहीं था। आयुर्वेद, योग, कृषि, धातु विज्ञान, खगोल विज्ञान जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

14. **नवम् वेदच्छात्र प्रतियोगिता**– (दिनांक 4 से 5 नवम्बर पर्यन्त) श्री स्वामी महेशानन्द गिरि

स्मृति ट्रस्ट श्री दक्षिणामूर्ति मठ मिश्र पोखरा, वाराणसी में नवम् वेदच्छात्र प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 4 छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से दो छात्रों (आदर्श तिवारी सामवेद कौथुम शाखा, प्रांजल शुक्ल शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनीय शाखा) को पुरस्कृत किया गया।

15. **वेद संदेश जागरण यात्रा वाराणसी** – (दिनांक 18.11.2023 दिन शनिवार) श्री स्वामी नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय एवं महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के

सुयंक्त तत्वावधान में वेद संदेश जागरण यात्रा निकाली गयी। जिसमें काशी के समस्त वेद पाठशालाओं एवं आस–पास के शहरों से भी वेद पाठशालाओं के अध्यापक एवं वेद छात्र इस यात्रा में शामिल रहे। यात्रा नारायणानन्द तीर्थ वेद विद्यालय से काशी विश्वनाथ मन्दिर के प्रांगण में समाप्त हुई। विश्वनाथ मन्दिर में स्थित सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में जगद्गुरू नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज एवं मुख्य वक्ता के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कला संकाय के अध्यक्ष प्रो.श्रीकिशोर मिश्र जी के द्वारा वेद विषय पर वैदिक छात्रों एवं अध्यापकों को सम्बोधित किया गया। इस कार्यक्रम में

प्रतिष्ठान के निजि सचिव श्री संजय श्रीवास्तव जी भी उपस्थित रहे। जिसमें श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्रों की भी सहभागिता रही।

16. **भारतीय भाषा उत्सव** – (दिनांक 11.12.2023 दिन सोमवार) इस अवसर पर प्रतिष्ठान के आदेशानुसार प्रसिद्ध कवि एवं स्वतन्त्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली के अनुसार तमिल के प्रसिद्ध कवि और स्वतंत्रता सेनानी **सुब्रमण्यम भारती** की जयंती के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूंसी, प्रयागराज में दिनांक 11 दिसम्बर 2023 को ''**भारतीय भाषा उत्सव**'' मनाया गया। इसी क्रम में वेद विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा भाषण, गीत, संगीत, नृत्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय की ओर से खेल–कूद का भी आयोजन किया गया। अन्त में प्रधानाचार्य महोदय की ओर से समापन भाषण सम्पन्न हुआ। सभी छात्र प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

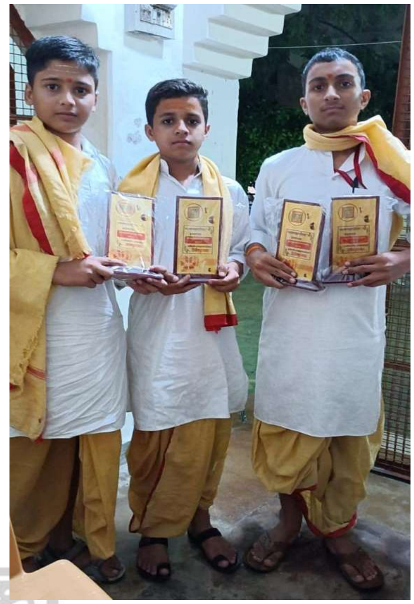

17. **तुलसी विवाह** (दिनांक 23.11.2023 दिन गुरूवार) कार्तिक मास की देव प्रबोधिनी एकादशी को तुलसी विवाह के रुप में मनाया जाता है। इस दिन शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराकर पुण्यात्मा लोग कन्या दान का फल प्राप्त करते हैं। तुलसी के पौधे को पवित्र एवं पूजनीय माना जाता है। प्राचीन काल से चले आ रहे तुलसी विवाहोत्सव आयोजन को वैदिक मन्त्रोच्चारपूर्वक सम्पन्न किया गया। जिसमें समस्त ग्रामीण, आश्रमवासी व विद्यालय के आचार्यादि सहित वैदिक छात्र उपस्थित रहे। इसी उपक्रम में तुलसी की वैशिष्टता, महत्व तथा समाज में उपादेयता के विषय को भी लेकर परिचर्चा की गई।

18. **गीता जयन्ती** – (दिनांक 23.12.2023 दिन शनिवार) इस अवसर पर नागच्छत्र हनुमान मन्दिर, श्री मौनी आश्रम, झूंसी, प्रयागराज में गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के प्रबंधक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के 20 छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी छात्रों की परीक्षा गंगेश्वर संस्कृत उ.मा. विद्यालय के प्राचार्य श्री रामवदन द्विवेदी जी के द्वारा लिया गया। कार्यक्रम का संचालन वेद विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी के द्वारा किया गया। प्रतिभाग करने वाले उत्तीर्ण छात्रों को श्री स्वामी शारदानन्द उत्थान सोसाईटी के द्वारा प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार दिया गया।

19. **प्राकट्य दिवस एवं वेद मंत्र पाठ प्रतियोगिता**– (दिनांक 13.01.2024 दिन शनिवार) सर्वप्रथम परमपूज्य ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। शुक्लयजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद के मंत्रों के द्वारा मंगलाचरण किया गया। मंगलाचरण के उपरान्त वेद विद्यालय के समस्त छात्रों द्वारा अपने–अपने वेद शाखा के अनुसार वेद पारायण किया गया। इसके पश्चात् विद्वान वेद परीक्षकों के नेतृत्व में वेद प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. मनोज झुनझुनवाला एवं श्रीकेतन, श्रीमती सीमा खोवाला के द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय वेद पाठशालाओं के संहितापाठी छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले वेद छात्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान से अलंकृत कर अंगवस्त्र एवं प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

20. **रामलला प्राणप्रतिष्ठा–** (दिनांक 22.01.2024 सोमवार) श्री रामलला प्राणप्रतिष्ठा समारोह में प्रतिष्ठान के निर्देशानुसार विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्रों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान वेद पारायण, श्री रामचरितमानस रामायण पाठ, भजन, दीप प्रज्वलित इत्यादि कार्यक्रम किया गया।

21. **गणतन्त्र दिवस–** (दिनांक 26.01.2024 दिन शुक्रवार) इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के प्रबन्धक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति भारतीय संविधान के साथ–साथ वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए सचिव जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

22. **वसन्तपंचमी–** (दिनांक 14.02.2024 दिन बुधवार) इस अवसर पर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन–अर्चन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्रों द्वारा मां वाग्देवी की आराधना की गयी। छात्रों ने मां सरस्वती एवं वाणी की अधिष्ठात्री देवी से प्रार्थना करते हुए कहा कि हमारी पूजा और आराधना स्वीकार करें। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अतः छात्रों में अध्ययन के लिये निरंतर शक्ति का संचार करें और वाणी सहित

सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान करें। छात्रों को बताया गया कि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है जो सभी ऋतुओं का राजा होता है।

23. **वार्षिक परीक्षा**– (25 से 29 फरवरी 2024) महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वार्षिक परीक्षा का आयोजन 25 से 29 फरवरी 2024 तक कराने का निर्देश

दिया गया। इसके अनुपालन में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ वर्ष में अध्ययनरत वेदछात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का आयोजन हुआ। इस वार्षिक परीक्षा में कुल 304 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिष्ठान द्वारा यहां केन्द्र स्थापित कर गुरु–शिष्य परम्परा / पाठशाला योजना के वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा को म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक प्रो. मनोज मिश्र जी के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारी वेद पाठशाला ने अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। प्रतिष्ठान के दिशा–निर्देशों के आधार पर बिना किसी बाधा के सुचारु एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा करायी गयी। प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों के सहयोग और केन्द्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पाण्डेय के अथक परिश्रम से क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों का परीक्षा कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हुआ। परीक्षा में उपस्थित प्रेक्षक, परीक्षकों एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में समयानुसार नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

****

आनन्दं ब्रह्म

SHRI SWAMI NAROTTAMANAND GIRI VED VIDYALAYA®

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

पोस्ट–झूसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211 019